

असाधारेखः EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 4 PART II—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं• 8] नई दिल्ली, सोमवार, मई 3, 1982/वैशाख 13, 1904

No. 8] NEW DELHI, MOND 4Y, MAY 3, 1982/VAISAKHA 13,1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

रक्षा मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली 3 मई, 1982

कां निक्शा 10 को -- समस्त सेना (आपान डयटिया) अधिनियम 1947 (1947 का 15वा) की धारा 2 वी उपधारा (1) द्वारा प्रदन मिनियों का प्याग करने हुए केन्द्रीय सरकार असम राज्य में (क) विद्युत पूर्ति अधिनियम 1948 के या गिन गिन राज्य कि निव्युत के उत्पादन जन्मरण और वितरण में स्विधित सभी मेनाओं और (ख) बेतार तथा टेलोफोन सेवाओं को समाज के लिए अत्यिक महन्व की सेवाए घोषित करती है।

[फा॰ स॰ 2(112)/80/रक्षा (जी एस-1)]

के००० नम्बियार, सयक्त सचित्र (जी)

MINISTRY OF DEFENCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd May, 1982

S.R.O. 10(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 2 of the Armed Forces (Emergency Duties) Act, 1947 (15 of 1947), the Central Government hereby declares (a) all services in connection with the production, supply and distribution of water and electricity including the services under the State Electricity Board constituted under the Electricity Supply Act, 1948 and (b) any Telegraph and Telephone services in the State of Assam to be services of vital importance to the community.

[F. No. 2(112)/80/D(GS. I)] K. A. NAMBIAR, Jt. Secy.(G)